चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 14.3.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 2-7

एनीमिया है तो अब सबसे अधिक लौह तत्व वाला बाजरा खाइए, रोग भगाइये

संदीप बिश्नोई • हिसार

जागरण विशेष

एनीमिया है तो चिंता मत कीजिए जनाब। बाजरा खाईये। इसके खाने से न शरीर में लौह तत्व की कमी रहेगी और न बीमारी आपके पास फटकेगी। हिसार स्थित चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के वैज्ञानिकों ने बाजरे की एक ऐसी किस्म ईजाद की है जिसमें लौह तत्व की मात्रा अब तक की किसी भी किस्म के बाजरे से अधिक है।

बाजरे की नई किस्म एचएचबी 311 में 83 से 87 पीपीएम तक लोहे की मात्रा है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के अनुसार इस किस्म को राष्ट्रीय स्तर पर चिह्नित किया जा चुका है। अब इसे

एचएयू ने ईजाद की एचएचबी 311 किस्म, इसमें 83 से 87 पीपीएम तक लोहे की मात्रा, नहीं रहेगी शरीर में खून की कमी

रिलीज करना बाकी है। संभावना है कि आने वाले एक से डेढ़ साल में इस किस्म का बीज किसानों को मिलना शुरू हो जाएगा। इस किस्म को बुधवार को एचएयू के कृषि मेले में प्रदर्शित किया गया था। वैज्ञानिकों ने कहा कि यह किस्म खाने में भी स्वादिष्ट है और इसका उत्पादन भी अन्य किस्मों के समान है।

बाजरे की नई किस्म।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली में हो शामिल

वैज्ञानिकों ने कहा कि बाजरे को सार्वजनिक वितरण प्रणाली में शामिल किए जाने की जरूरत है क्योंकि यह बाजरा (एचएचबी 311 किस्म) मनुष्य के शरीर में रक्त की कमी को दूर करने में बेहद प्रभावशाली साबित होगा। वैज्ञानिकों के अनुसार बच्चों को स्कूल में आयरन की गोली खिलाई जाती है, लेकिन उन्हें बाजरा खिलाया जाए तो इसकी जरूरत ही नहीं होगी। यही नहीं, धीरे-धीरे आयरन शरीर में जाएगा तो यह अधिक प्रभावशाली होगा। वैज्ञानिकों के अनुसार गर्मियों में बाजरे की रोटी खाना मुश्किल है, लेकिन खिचड़ी या अन्य उत्पाद के माध्यम से बाजरे का सेवन किया जा सकता है। विश्वविद्यालय के होम साइंस कालेज में अब बाजरे के बिस्कुट सहित कई स्वादिष्ट खाद्य उत्पाद बनाए जा रहे हैं। इन उत्पादों के माध्यम से गर्मियों में भी अपने आहार में शामिल कर सकते हैं।

लोहे की मात्रा करीब एक तिहाई ज्यादा

वैज्ञानिकों के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई बाजरे की एचएचबी 311 किस्म में लोहे की मात्रा 83 से 87 पीपीएम तक है जबकि साधारण बाजरे में यह 50 से 60 पीपीएम तक ही होता है। हालांकि इससे पहले जनवरी में एचएयू ने देश की पहली हाई प्रोटिनफाइड किस्म एचएचबी 299 को जारी किया था, जिसमें लोहे की मात्रा 73 पीपीएम तक थी।

16 क्विंटल है प्रति एकड़ उत्पादन

विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डा. एसके पाहुजा और डा. विनोद मलिक के अनुसार यह किस्म सिंचाई वाले क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है और इसके लिए कम से कम तीन पानी की आवश्यकता होगी। इसकी फसल 75 से 80 दिन में पककर तैयार हो जाती है। इसका उत्पादन करीब 16 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है।

हमारा विश्वविद्यालय और वैज्ञानिक किसानों के लिए लगातार बेहतर करने के लिए लगे हुए हैं। वैज्ञानिक इस तरह के कई अन्य प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर रहे हैं, जिनके बेहद सकारात्मक परिणाम निकट भविष्य में दिखाई देंगे।

प्रो. केपी सिंह, कुलपति, एचएयू, हिसार।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......अमर उजाला......

दिनांक 14.3.2019 पृष्ठ सं. ....6.... कॉलम ....1-8....

खरीफ कृषि मेले में पहुंचे पंजाब, राजस्थान और यूपी के 51 हजार किसान

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय खरीफ कृषि मेला बुधवार को संपन्न हो गया। मेले में हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश राज्यों से करीब 51 हजार किसान शामिल हुए।

समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने किसानों को इस प्रकार के आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें खेती संबंधी नवीन ज्ञान प्राप्त होता तथा कृषि संबंधी अपनी समस्याओं का कृषि वैज्ञानिकों से हल प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने किसानों से पराली व फसल अवशेषों को जलाने की अपेक्षा उनका प्रबंधन करने की अपील की।

डॉ. हुड्डा ने बताया कि मेले के दोनों दिन किसानों ने करीब 8 लाख 66 हजार 200 रुपये के खरीफ फसलों व सब्जियों की उन्नत व सिफारिश शुदा किस्मों के प्रमाणित बीज तथा करीब 24 हजार रुपये के फलदार पौधों की खरीदारी की। उल्लेखनीय है कि किसानों को आगामी खरीफ मौसम की फसलों व सब्जियों के बीज तथा पौधों को खरीदने उपलब्ध करवाने के लिए विश्वविद्यालय ने मेला स्थल पर सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बीज बिक्री की पर्याप्त व्यवस्था की थी। बीज के अलावा किसानों ने 40 हजार रुपये का कृषि साहित्य भी खरीदा। डॉ. हुड्डा ने बताया कि मेले में किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण करवाकर उन्हें वैज्ञानिक विधि से उगाई गई रबी फसलों के प्रदर्शन प्लॉट दिखाए गए तथा उन्हें जैविक खेती, खेती में प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, कृषि उत्पादन व गुणवत्ता बढ़ाने के साथ फसल अवशेष प्रबंधन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं।

कृषि मेले के दौरान लगी स्टॉल पर जानकारी लेती महिलाएं।

कृषि मेले के दौरान कृषि यंत्रों को देखते युवा किसान।

कृषि मेले के दौरान बीज खरीदकर ले जाते किसान।

कृषि मेले के दौरान कपास की किस्म को देखते किसान।

8.66

लाख रुपये से ज्यादा का किसानों ने खरीदा बीज

कृषि मेले में लगाया कानूनी जागरूकता शिविर

हिसार। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 13 व 14 मार्च को आयोजित कृषि मेले के दौरान कानूनी जागरूकता शिविर लगाया। इस दौरान कृषि मेले में आने वाले लोगों को विभिन्न कानूनों व सामाजिक विषयों के बारे में जागरूक किया गया। प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम कृति गुप्ता ने बताया कि कृषि मेले के दौरान [illegible] पर आने वाले सैकड़ों लोगों को घरेलू हिंसा, बाल यौन शोषण, पीसीएनडी कानून, किसानों से संबंधित योजनाओं व अन्य सामाजिक विषयों पर विस्तार से जानकारियां दी गईं। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण द्वारा कृषि मेले में हर वर्ष लोगों के लिए कानूनी जागरूकता शिविर लगाया जाता है। इसमें लोगों को विभिन्न विषयों पर आवश्यक कानूनी सुझावों की जानकारी दी जाती है। उन्होंने बताया कि शिविर में लोगों को ई-कोर्ट की सुविधाओं से संबंधित जानकारियां भी प्रदान की गईं। लोगों को बताया गया कि ई-कोर्ट के माध्यम से व्यक्ति अपने केस की जानकारी ऑनलाइन ले सकता है।

सीजेएम कृति गुप्ता ने कानूनी व सामाजिक विषयों पर किया लोगों को जागरूक

मिट्टी-पानी की जांच भी करवाई

किसानों ने विश्वविद्यालय की ओर से मिट्टी व पानी जांच के लिए की गई व्यवस्था का भी लाभ उठाया और उन्होंने क्रमश: 36 तथा 112 नमूने टेस्ट करवाए। किसानों ने प्रश्नोत्तरी सभाओं में भाग लेकर वैज्ञानिकों से कृषि व पशुपालन संबंधी अपनी समस्याओं एवं शंकाओं को दूर किया। संयुक्त निदेशक विस्तार एवं मेला अधिकारी डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि प्रदर्शनी में कुल 262 स्टॉल लगाई गई थीं। इन स्टॉलों पर विश्वविद्यालय तथा सरकारी एजेंसियों व [illegible] कंपनियों द्वारा कृषि प्रौद्योगिकियां, मशीनें, बीज आदि प्रदर्शित किए गए।

इन्होंने जीते पुरस्कार

इन स्टॉलों में [illegible] ग्रुप में राखी सीड्स, गुरुदेव सीड्स तथा [illegible] ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार, [illegible] में [illegible] तथा [illegible] ग्रुप में [illegible] ने प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्राप्त किए। [illegible] संस्थाओं में से चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सभी [illegible] विभाग [illegible] ने प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। अन्य सरकारी संस्थाओं में [illegible] बैंक, [illegible] तथा [illegible] को प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार मिला। फार्म ग्रुप में [illegible], [illegible] तथा [illegible], फर्म एवं [illegible] ग्रुप में [illegible] एवं [illegible] को क्रमश: प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

2 दिवसीय किसान मेले का समापन, किसानों ने 8 लाख रुपए से अधिक का सामान खरीदा

खरीफ फसल, सब्जियों की उन्नत एवं सिफारिश शुदा किस्मों के प्रमाणित बीज एवं पौधों की किसानों ने की खरीदारी

हिसार, 13 मार्च (ब्यूरो) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित 2 दिवसीय खरीफ कृषि मेले का बुधवार को समापन हो गया। मेले के दूसरे दिन भी किसानों की भारी गहमा-गहमी रही। मेले में हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश राज्यों से भी बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए।

मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आर.एस. हुड्डा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने किसानों को इस प्रकार के आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा इससे उन्हें खेती संबंधी नवीन ज्ञान प्राप्त होगा तथा कृषि संबंधी अपनी समस्याओं का कृषि वैज्ञानिकों से हल प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने किसानों से पराली व फसल अवशेषों को जलाने की अपेक्षा उनका प्रबंधन करने की अपील की।

डा. हुड्डा जोकि कृषि मेले के संयोजक भी हैं ने बताया कि मेले के दोनों दिन किसानों ने करीब 8 लाख 66 हजार 200 रुपए के खरीफ फसलों व सब्जियों की उन्नत व सिफारिश शुदा किस्मों के प्रमाणित बीज तथा करीब 24 हजार रुपए के फलदार पौधों की नर्सरी खरीदी। किसानों को आगामी खरीफ मौसम की फसलों व सब्जियों के बीज तथा फलों की नर्सरी उपलब्ध करवाने के लिए विश्वविद्यालय ने मेला स्थल पर सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बीज बिक्री की पर्याप्त व्यवस्था की थी। बीज के अलावा किसानों ने 40 हजार रुपए का कृषि साहित्य भी खरीदा। डा. हुड्डा ने बताया कि मेले में किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण करवाकर उन्हें वैज्ञानिक विधि से उगाई गई रबी फसलों के प्रदर्शन प्लांट दिखाए गए तथा उन्हें जैविक खेती, खेती में प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, कृषि उत्पादन व गुणवत्ता बढ़ाने के साथ फसल समेकित प्रबंधन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं।

विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आर.एस. हुड्डा विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए व कानूनी जागरूकता शिविर में लोगों को जागरूक करते सी.जे.एम. सुरेंद्र कुमार।

किसानों ने मिट्टी एवं पानी की जांच भी करवाई

2 दिवसीय मेले में किसानों ने विश्वविद्यालय की ओर से मिट्टी व पानी जांच के लिए की गई व्यवस्था का भी लाभ उठाया और उन्होंने क्रमश: 56 तथा 12 नमूनों टैस्ट करवाए। इसके अतिरिक्त किसानों ने प्रश्नोत्तरी सभाओं में भाग लेकर वैज्ञानिकों से कृषि व पशुपालन संबंधी अपनी समस्याओं एवं शंकाओं को दूर किया।

सी.जे.एम. सुरेंद्र कुमार ने कानूनी व सामाजिक विषयों पर किया लोगों को जागरूक

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण ने किसान मेले के दौरान कानूनी जागरूकता शिविर लगाया। इस दौरान कृषि मेले में आने वाले लोगों को विभिन्न कानूनी व सामाजिक विषयों के बारे में जागरूक किया गया। प्राधिकरण के सचिव एवं सी.जे.एम. सुरेंद्र कुमार ने बताया कि कृषि मेले के स्टाल नम्बर 48 व 49 पर आने वाले सैकड़ों लोगों को घरेलू हिंसा, कन्या भ्रूण हत्या, मौलिक कर्तव्य, किसानों से संबंधित योजनाओं व अन्य सामाजिक विषयों पर जानकारियां दी गईं। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण द्वारा कृषि मेले में हर वर्ष लोगों के लिए कानूनी जागरूकता शिविर लगाया जाता है।

262 स्टॉल लगे, ग्रुप सदस्य हुए सम्मानित

मेले में लगाई गई कृषि औद्योगिक प्रदर्शनी किसानों के आकर्षण का विशेष केंद्र रही। इस प्रदर्शनी में कुल 262 स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टालों में सीड ग्रुप में रासी सीड्स, नुजीवीडू सीड्स तथा सलिंगर हाइब्रिड ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार, इन्सेक्टिसाइडस व पैस्टीसाइड्स में किसान ग्रुप, धानुका तथा परिवार, तथा मशीनरी ग्रुप में साधु एग्रो इंडस्ट्री, बालाजी ट्रैक्टर कम्पनी तथा बालाजी एग्रीटैक्स ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्राप्त किए। इसी प्रकार सरकारी संस्थानों में से हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सब्जी विभाग, वस्त्र डिज़ाइन विभाग तथा कपास अनुभाग को क्रमश: प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। अन्य सरकारी संस्थाओं में इंडियन ओवरसीज बैंक, जिला लीगल सर्विस अथॉरिटी तथा एस.एस.जी. कॉन्फेडरेशन एंड डेवेलपमेंट सोसाइटी को क्रमश: प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार मिला। इसी प्रकार फार्मा ग्रुप में एक्मा बायोटिक, अशोका होम्योपैथिक तथा टाइटेनिया फार्मा एवं मिले-जुले ग्रुप में डी.एल.जी. (एच.ए.यू.), प्रोटीन एंड फूड इंजीनियरिंग विभाग तथा वैटर्नरी क्लीनिक, हुडा को क्रमश: प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम .... दैनिक भास्कर

दिनांक 14.3.19 .... पृष्ठ सं. 7 .... कॉलम 1-5

एचएयू में दो दिवसीय किसान मेले का समापन • पंजाब, राजस्थान और यूपी सहित कई राज्यों से 51 हजार किसान पहुंचे

ग्राफ्टिंग तकनीक से पैदा कर रहे टमाटर, बैंगन और मिर्च की पौध

इस तकनीक से रोग रहित सब्जियों को पैदा किया जा सकता है, खेती करने के लिए किसानों ने जताई प्रशिक्षण की इच्छा

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय खरीफ कृषि मेला का बुधवार को समापन हुआ। इसमें हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों से लगभग 51 हजार किसान पहुंचे। यहां किसानों के लिए 262 स्टॉलों पर नई तकनीकों और बीजों की जानकारी दी गई।

मेले में सबसे अधिक किसानों ने मशीनों के बाद ग्राफ्टिंग तकनीकों में रुचि दिखाई। उन्होंने एचएयू के प्रयोग को देखा कि किस प्रकार इस तकनीक से जंगली बैंगन पर टमाटर उगाए जा रहे हैं, जंगली मिर्च पर देसी मिर्च की खेती की जा रही है। इतना ही नहीं बल्कि किसानों ने ग्राफ्टिंग तकनीकों को समझने के लिए प्रशिक्षण की मांग भी की है। इस तकनीक के माध्यम से रोग रहित सब्जियों को पैदा किया जा सकता है। व्यापारिक रूप से यह काफी अच्छी तकनीक है। कृषि मेले में बुधवार को कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा मुख्य अतिथि रहे।

ग्राफ्टिंग तकनीक बताती विशेषज्ञ।

कपास की पैदावार को देखते किसान।

क्या है ग्राफ्टिंग तकनीक

कलम बांधना (ग्राफ्टिंग) उद्यानिकी की एक तकनीक है। इसमें एक पौधे के ऊतक दूसरे पौधे के ऊतकों में प्रविष्ट कराए जाते हैं। इससे दोनों के वाहिका ऊतक आपस में मिल जाते हैं। इस प्रकार इस विधि से अलैंगिक प्रजनन द्वारा नई नस्ल का पौधा पैदा तैयार किया जाता है। ग्राफ्टिंग तकनीक सर्दियों के दिनों में ज्यादा असरदार होती है। उदाहरण के तौर पर बैंगन के पौधे के तने पर टमाटर की कलम बांधकर इसे तैयार किया जाता है। कुछ ऐसी ही जानकारी मेले में लगे स्टॉलों पर किसानों को दी गई।

8.66 लाख रुपए के खरीदे बीज

मेले के दोनों दिन किसानों ने करीब 866200 रुपए के खरीफ फसलों व सब्जियों की उन्नत व सिफारिशशुदा किस्मों के प्रमाणित बीज तथा करीब 24 हजार रुपए के फलदार पौधों की नर्सरी खरीदी। आगामी खरीफ मौसम की फसलों व सब्जियों के बीज तथा फलों की नर्सरी उपलब्ध करवाने के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। बीज के अलावा किसानों ने 40 हजार रुपए का कृषि साहित्य भी खरीदा।

ऑटो एडजस्ट ट्रैक्टर की छत

कृषि मेले में ट्रैक्टरों को अधिक रोशनी युक्त और तकनीकी रूप से संपन्न बनाने के लिए बाजार में कई चीजें उतारी गई हैं। किसानों के बीच ट्रैक्टर की ऑटो एडजस्ट छत आकर्षण का केंद्र रही। इस छत को लोग अपने हिसाब से सेट कर सकते हैं। इसके साथ ही यह फाइबर मेटेरियल से बनी हुई है। वहीं एलईडी लाइट्स से लैस ट्रैक्टर है। जिससे रात्रि के समय काम करने पर तेज रोशनी की जरूरत को पूरा किया जा सके। इन लाइटों को ऊर्जा देने के लिए ट्रैक्टर की छत को सोलर पैनल युक्त बनाया है। इसको लेकर भी किसानों ने अधिक रुचि दिखाई।

इनको मिला पुरस्कार

इन स्टॉलों में बीज ग्रुप में राशी सीड्स, नुजीवेडु सीड्स तथा [illegible] लिमिटेड ने प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार, इन्सेक्टिसाइड्स व पेस्टीसाइड्स में क्रिस्टल ग्रुप, कोरोमंडल और पारिजात तथा मशीनरी ग्रुप में लघु एग्रो इंडस्ट्री, खालसा ट्रेडिंग कंपनी तथा बालाजी एग्रोटेक्स ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्राप्त किए। इसी प्रकार सरकारी संस्थानों में से हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सब्जी विभाग, सस्य विज्ञान विभाग तथा कपास अनुभाग को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। अन्य सरकारी संस्थाओं में इंडियन पोस्टल बैंक, जिला लीगल सर्विस अथॉरिटी तथा एसएचजी मल्टीपर्पज फूड प्रोसेसिंग मशीन को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार मिला। इसी प्रकार फार्मा ग्रुप में एकम बायोटेक, अशोका होम्योपैथिक तथा टाइटेनिक फार्मा एवं मिले-जुले ग्रुप में इएलपी (एचएयू), प्रोसेसिंग एण्ड फूड इंजीनियरिंग विभाग तथा वेटेरनरी क्लीनिक, तुलाना को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 14:3:2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-6

बीज की मात्रा, पानी का सही आंकलन और जमीन की जरूरत बताने वाली मशीनें एचएयू कृषि मेले में आईं

- खेती में मशीनीकरण पर रहा फोकस, किसानों ने नई तकनीकों की जानकारी में दिखाई रुचि
- बुधवार को दो दिवसीय कृषि मेले में किसानों से इन मशीनों को चलाकर भी देखा

भास्कर न्यूज | हिसार

मशीनी युग में खेती दिन प्रतिदिन आगे बढ़ रही है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय खरीफ कृषि मेला बुधवार को संपन्न हुआ। मेले में हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश राज्यों से भी करीब 51 हजार किसान शामिल हुए। खास बात है कि मेले में खुदाई करने वाली मशीन, खेतों में लेवलिंग का काम करने की मशीन, लकड़ी से बुरादा तैयार करने वाली मशीनों को लेकर किसानों ने अपनी जिज्ञासा को शांत किया।

इन मशीनों की कीमत 15 हजार रुपये से लेकर 5 लाख रुपये तक है। जिन पर 30 से 40 प्रतिशत की सब्सिडी भी दी जा रही है। इसके साथ ही बीजों को बोने और नए तरीकों से कीटनाशकों के छिड़काव का काम करने वाली मशीनें भी मेले में किसानों के लिए लाई गईं। यह मशीनें किसानों की लागत को तो कम कर रही है साथ ही समय भी बचा रही हैं।

सिर्फ यह नहीं बल्कि खेतों में कितनी मात्रा में बीज बोने हैं, पानी कितना देना है, दवा कितनी लगानी है, इसके साथ ही कहां से पौध को जमीन से उखाड़ना है, यह सभी कार्य इन मशीनों से कराया जा रहा है। बुधवार को कृषि मेले में किसानों से इन मशीनों को चलाकर भी देखा।

कृषि मेले में मशीन को आजमाता किसान।

एचएयू के कृषि मेले में खेतों में मिट्टी को सपाट करने वाली मशीन को आजमाता किसान।

किसानों ने मेले में साहित्य में भी सबसे अधिक रुचि दिखाई

मेले के समापन पर विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने बताया कि मेले में किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण करवाकर उन्हें वैज्ञानिक विधि से उगाई गई रबी फसलों के प्रदर्शन प्लॉट दिखाए गए तथा उन्हें जैविक खेती, खेती में प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, कृषि उत्पादन व गुणवत्ता बढ़ाने के साथ फसल अवशेष प्रबंधन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। इसके साथ ही 40 हजार रूपए का कृषि साहित्य भी किसानों ने खरीदा, जो दिखाता है कि किसान पढ़कर भी खेती में कुछ नया करने की चाहत रखते हैं।

ई-कोर्ट की ऑनलाइन सुविधाओं की दी जानकारी

हिसार| जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 13 व 14 मार्च को आयोजित कृषि मेले के दौरान कानूनी जागरूकता शिविर लगाया। इस दौरान कृषि मेले में आने वाले लोगों को विभिन्न कानूनी व सामाजिक विषयों के बारे में जागरूक किया गया। प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम सुरेंद्र कुमार ने बताया कि कृषि मेले के स्टॉल नंबर 48 व 49 पर आने वाले सैकड़ों लोगों को घरेलू हिंसा, बाल यौन शोषण, मौलिक कर्तव्य, किसानों से संबंधित योजनाओं व अन्य सामाजिक विषयों पर जानकारियां दी गईं। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण द्वारा कृषि मेले में हर वर्ष लोगों के लिए कानूनी जागरूकता शिविर लगाया जाता है। इसमें लोगों को विभिन्न विषयों पर आधारित कानूनी पुस्तकें भी वितरित की जाती हैं। उन्होंने बताया कि शिविर में लोगों को ई-कोर्ट की सुविधाओं से संबंधित जानकारियां भी प्रदान गईं। लोगों को बताया गया कि ई-कोर्ट के माध्यम से व्यक्ति अपने केस की जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकता हैं।

262 दुकानों पर किसानों की रही जबरदस्त भीड़

संयुक्त निदेशक विस्तार एवं मेला अधिकारी डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र रही। इस प्रदर्शनी में 262 स्टॉल लगाए गए। जहां पर विश्वविद्यालय तथा गैरसरकारी एजेसियों व मल्टीनेशनल कंपनियों द्वारा कृषि प्रौद्योगिकीय, मशीनें, यंत्र आदि प्रदर्शित किए गए, जिन पर किसानों की भीड़ रही। इस अवसर पर किसानों ने मिट्टी व पानी जांच के लिए की व्यवस्था का लाभ उठाया और उन्होंने 56 तथा 112 नमूने टेस्ट करवाए। इनके अतिरिक्त किसानों ने प्रश्नोत्तरी सभाओं में भाग लेकर वैज्ञानिकों से कृषि व पशुपालन संबंधी समस्याओं एवं शंकाओं को दूर किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 14.3.2019 पृष्ठ सं. 18 कॉलम 2-8

मौसम की जानकारी के लिए 5000 ने करवाया रजिस्ट्रेशन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के दो दिवसीय कृषि मेले में प्रदेशभर से आए 51 हजार लोग नई तकनीकों और फसलों से हुए रूबरू

जागरण संवाददाता हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय खरीफ कृषि मेला बुधवार को संपन्न हुआ। मेले के दूसरे दिन भी किसानों की भारी गहमा-गहमी रही। मेले में दोनों दिनों में हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश राज्यों से भी लगभग 51 हजार किसान शामिल हुए। मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आरएस हुड्डा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने किसानों को इस प्रकार के आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि मेले के दोनों दिन किसानों ने करीब 8,66,200 रुपये के खरीफ फसलों व सब्जियों की उन्नत किस्मों के प्रमाणित बीज और करीब 24 हजार रुपये के फलदार पौधे खरीदे। उल्लेखनीय है कि किसानों को आगामी खरीफ मौसम की फसलों व सब्जियों के बीज और फलों की नर्सरी उपलब्ध करवाने के लिए विश्वविद्यालय ने मेला स्थल पर सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बीज बिक्री की पर्याप्त व्यवस्था की थी। बीज के अलावा किसानों ने 40 हजार रुपये का कृषि साहित्य भी खरीदा। इसके अलावा मौसम एसएमएस के लिए रजिस्ट्रेशन के लिए भी किसानों में भारी उत्साह देखने को मिला। दो दिनों में लगभग 5000 किसानों ने एसएमएस के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया। इस बार मौसम आधारित कृषि परामर्श एसएमएस सेवा को और अधिक यूजर फ्रेंडली बनाने के लिए कृषि एक्सटेंशन विभाग के सौजन्य से तैयार प्रश्नोत्तरी से 200 किसानों का फीडबैक लिया गया है।

08 लाख 66 हजार रुपये की खरीफ फसलों व सब्जियों के उन्नत किस्मों के प्रमाणित बीज खरीदे गए

24000 रुपये के फलदार पौधे भी खरीदे गए

कृषि मेले में किसानों को सब्जियों के पौधों की जानकारी देते हुए महिला।

किसानों को दिखाई वैज्ञानिक विधि से उगाई रबी फसलें

डा. हुड्डा ने बताया कि मेले में किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण करवाकर उन्हें वैज्ञानिक विधि से उगाई गई रबी फसलों के प्रदर्शन प्लॉट दिखाए गए। किसानों को जैविक खेती, खेती में प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, कृषि उत्पादन व गुणवत्ता बढ़ाने के साथ फसल अवशेष प्रबंधन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। इस अवसर पर किसानों ने विश्वविद्यालय की ओर से मिट्टी के 56 और पानी के 112 नमूने टेस्ट करवाए गएजांच के लिए की गई व्यवस्था का भी लाभ उठाया और उन्होंने क्रमश: 56 और 112 नमूने टेस्ट करवाए। इनके अतिरिक्त किसानों ने प्रश्नोत्तरी सभाओं में भाग लेकर वैज्ञानिकों से कृषि व पशुपालन संबंधी अपनी समस्याओं एवं शंकाओं को दूर किया। संयुक्त निदेशक विस्तार एवं मेला अधिकारी डा. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में लगाई गई कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र रही।

कृषि मेले में गेहूं की फसल देखते किसान।

हकृवि के कृषि मेले में प्रदर्शनी देखती युवती।

सब्जी विज्ञान विभाग को मिला प्रथम पुरस्कार

इस प्रदर्शनी में कुल 262 स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉलों पर विश्वविद्यालय तथा गैर-सरकारी एजेंसियों व मल्टीनेशनल कंपनियों द्वारा कृषि प्रौद्योगिकियां, मशीनें, यन्त्र आदि प्रदर्शित किए गए, जिन पर किसानों की भारी भीड़ रही। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सब्जी विभाग, सस्य विज्ञान विभाग और कपास अनुभाग को क्रमश: प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। अन्य सरकारी संस्थाओं में इंडियन पोस्टल बैंक, जिला लीगल सर्विस अथॉरिटी एसएचजी मल्टीपर्पज फूड प्रोसेसिंग मशीन को क्रमश: प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार मिला। मिले-जुले ग्रुप में इएलपी (एचएयू), प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग विभाग और वेटेरनरी क्लीनिक, लुवास को क्रमश: प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....हरि भूमि........

दिनांक 14.3.2019 पृष्ठ सं. ...11... कॉलम ...4-8...

हकृवि के कृषि मेले में उत्तर भारत से 51 हजार किसान पहुंचे

कृषि मेले में 8 लाख से अधिक के बीज खरीदे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय खरीफ कृषि मेला बुधवार को संपन्न हुआ। मेले के आज दूसरे दिन भी किसानों की भारी गहमा-गहमी रही। मेले में हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश राज्यों से भी लगभग 51 हजार किसान शामिल हुए। मेले के दोनों दिन किसानों ने करीब 8 लाख 66 हजार 200 रुपये के खरीफ फसलों व सब्जियों की उन्नत व सिफारिशशुदा किस्मों के प्रमाणित बीज तथा करीब 24 हजार रुपये के फलदार पौधों की नर्सरी खरीदी।

- 24 हजार रुपये के फलदार पौधों की नर्सरी खरीदी

फसल अवशेषों को जलाने की अपेक्षा उनका प्रबंधन करें

मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने किसानों को इस प्रकार के आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें खेती संबंधी नवीन ज्ञान प्राप्त होगा तथा कृषि संबंधी अपनी समस्याओं का कृषि वैज्ञानिकों से हल प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने किसानों से पराली व फसल अवशेषों को जलाने की अपेक्षा उनका प्रबंधन करने की अपील की।

कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

संयुक्त निदेशक विस्तार एवं मेला अधिकारी डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में लगाई गई कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र रही। इस प्रदर्शनी में कुल 262 स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉलों पर विश्वविद्यालय तथा गैरसरकारी एजेंसियों व मल्टीनेशनल कंपनियों द्वारा कृषि प्रौद्योगिकियां, मशीनें, यन्त्र आदि प्रदर्शित किए गए, जिन पर किसानों की भारी भीड़ रही।

सीड ग्रुप में रासी सीड्स रही प्रथम

इन स्टॉलों में सीड ग्रुप में रासी सीड्स, नुजीवेडू सीड्स तथा शक्तिवर्धक हाइब्रिड ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार, इन्सैक्टिसाइडस व पैस्टीसाइडस में क्रिस्टल ग्रुप, कारोमंडल तथा परिजात, तथा मशीनरी ग्रुप में संधु एग्रो इंडस्ट्री, खालसा ट्रेडिंग कम्पनी तथा बालाजी एग्रीटूल्सज ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्राप्त किए। इसी प्रकार सरकारी संस्थानों में से हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सब्जी विभाग, सस्य विज्ञान विभाग तथा कपास अनुभाग को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

हिसार। मेले मे विजेताओं को पुरस्कृत करते विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा। फोटो: हरिभूमि

मिट्टी व पानी के नमूने करवाए टेस्ट

इस अवसर पर किसानों ने विश्वविद्यालय की ओर से मिट्टी तथा पानी जांच के लिए की गई व्यवस्था का भी लाभ उठाया और उन्होंने क्रमशः 56 तथा 112 नमूने टैस्ट करवाए। इनके अतिरिक्त किसानों ने प्रश्नोत्तरी सभाओं में भाग लेकर वैज्ञानिकों से कृषि व पशुपालन संबंधी अपनी समस्याओं एवं शंकाओं को दूर किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... अमर उजाला .....

दिनांक 14.3.2019 पृष्ठ सं. ....6..... कॉलम .....5.8.....

एक लीटर पेट्रोल में 27 टंकी छिड़काव

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। किसानों को अब टंकी से स्प्रे करने लिए बार-बार हैंडल मारने जरूरत नहीं है। किसान अब मात्र साढ़े सात हजार रुपये में पेट्रोल से चलने वाली स्प्रे मशीन का भी लाभ उठा सकते हैं। ये मशीन एक लीटर पेट्रोल में 27 टंकी स्प्रे का छिड़काव कर सकती है। इसकी टंकी में एक बार में 25 लीटर स्प्रे आता है। यानी एक लीटर पेट्रोल में ये मशीन 675 लीटर स्प्रे का छिड़काव कर सकती है। हाथ से स्प्रे करने की मशीन में सिर्फ 16 लीटर ही स्प्रे होता है। इस पुरानी मशीन से किसान को मेहनत भी ज्यादा करनी पड़ती है। वैसे तो किसान ट्रैक्टर मशीन से भी खेत में स्प्रे करता है। पर ट्रैक्टर द्वारा खेत में स्प्रे करना एक किसान के लिए महंगा रहता है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि मेले में नेपट्यून सिंपलफाई फार्मिंग द्वारा इस मशीन की स्टॉल लगाई गई व किसानों को जागरूक किया गया। मेले में आए किसान धर्मपाल, जयप्रकाश, जयबीर, सत्यनारायण, बीरभान आदि ने बताया कि इसके अलावा भी स्प्रे की काफी मशीन हैं। पांच एकड़ तक खेती करने वाले किसान के लिए ये मशीन बहुत ही फायदेमंद है।

यहां से प्राप्त करें किसान

सोनीपत में दिल्ली रोड पर स्थित दुकानों से किसान इस मशीन को खरीद सकते हैं। यहां से किसान स्प्रे करने की 15 अलग-अलग प्रकार की मशीनें खरीद सकते हैं।

कृषि मेले के दौरान कृषियंत्र देखते किसान।

इस मशीन के फायदे

ये मशीन पांच घंटे के कार्य को सिर्फ दो घंटे में ही कर देती है। अन्य मशीनों की तुलना में ये मशीन 60 प्रतिशत कम तेल की खपत करती है। इसके प्रयोग करने से किसान को बार-बार टंकी भरनी नहीं भरनी पड़ती।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... अमर उजाला .....
दिनांक 14.3.2019 पृष्ठ सं. .....1..... कॉलम .....1-6.....

तकनीक

कृषि मेले में केविन टेक मोबाइल स्टार्टर मशीन के बारे में किसानों को किया जागरूक, इससे पहले ये मशीन सिर्फ टैक्सट मैसेज ही भेजती थी

किसानों को मोबाइल बोलकर बताएगा, ट्यूबवेल की मोटर क्यों बंद हुई

संदीप रामायण

हिसार। किसान के खेत में चल रहे ट्यूबवेल की मोटर किस कारण से बंद हुई है, इसका किसान के मोबाइल पर वॉयस मैसेज आएगा। मोबाइल बोल कर बताएगा कि आपकी ट्यूबवेल की मोटर किस वजह से बंद हुई है। इसके अलावा यह भी पता चल जाएगा कि कहां पर क्या खराबी हुई है। इस मशीन का नाम है केविन टेक मोबाइल स्टार्टर मशीन।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित खरीफ कृषि मेले में इस इस मशीन की पहली बार स्टॉल लगाई गई। स्टॉल का संचालन कर रही रीना बंसल ने बताया कि ये मशीन किसानों के लिए बहुत ही उपयोगी है। किसान ट्यूबवेल को चलाकर अपने खेत से बाहर जाकर अन्य कार्य कर सकता है। ट्यूबवेल बंद होते ही मशीन के जरिये किसान को यह भी पता चल जाएगा कि ट्यूबवेल बंद हो गया है। ट्यूबवेल मोटर पर लोड पड़ रहा है। रीना बंसल ने बताया कि इससे पहले ये मशीन सिर्फ टैक्सट मैसेज ही भेजती थी। हाल ही में अपडेट वर्जन तैयार किया गया है। हिसार के कृषि मेले में इसकी पहली बार स्टॉल लगी है। मशीन को ट्यूबवेल की स्टार्टर मशीन के साथ जोड़ा जाएगा।

केविन टेक मोबाइल स्टार्टर मशीन के बारे में जानकारी देतीं रीना बंसल। - अमर उजाला

यहां से हासिल करें मशीन

हिसार आर्मी कैंट के दो नंबर गेट के सामने मस्त नाथ कॉलोनी से किसान केविन टेक मोबाइल स्टार्टर मशीन खरीद सकते हैं। मस्तनाथ कॉलोनी की दो नंबर गली में बनी केविन टेक फैक्टरी में इस मशीन का निर्माण किया जाता है। जिन किसानों ने कृषि मेले में इसका रजिस्ट्रेशन करवाया है, उनको ये सिर्फ 6500 रुपये में मिलेगी। सामान्य रूप से इसकी कीमत 7500 रुपये हैं।

किसान ऐसे लाएं प्रयोग : केविन टेक मोबाइल स्टार्टर मशीन को ट्यूबवेल मोटर के स्टार्टर से जोड़ा जाता है। इसके बाद किसान के मोबाइल नंबर को केविन टेक मोबाइल स्टार्टर मशीन में रजिस्टर्ड किया जाता है। रजिस्टर्ड होते ही मशीन कार्य कार्य करना शुरू कर देती है। किसान को अपना मोबाइल नंबर हर महीने 29 रुपये का रिचार्ज करवाना होता है।

केविन टेक मोबाइल स्टार्टर से ये होंगे फायदे

- मोटर को जलने से बचाता है।
- कहां क्या खराबी हुई है, पता चल जाएगा।
- घर बैठे ही मोटर को चालू या बंद कर सकते हैं।
- मोटर चलने व मोटर बंद होने का समय का पता चलेगा।
- मोटर चलाने का समय भी निर्धारित कर सकते हैं।
- मोटर को खाली नहीं चलने देगा व मोटर पर लोड नहीं होने देगा।

...संबंधित समाचार पेज 6 पर